

आचार्यः द्वितीयसत्रार्द्धम् (सत्रम् 2022-23)

पाठ्यक्रमः

विषयः - धर्मशास्त्रम्

| पत्रसंख्या    | गूढाङ्कः | शीर्षकम्  | विषयः         | श्रेयाङ्कः |
|---------------|----------|---|---------------|------------|
| प्रथमपत्रम्   | 2006.1   | हिन्दुधार्मिकपरम्पराणां तात्त्विकं विवेचनम्<br>- II | धर्मशास्त्रम् | 4          |
| द्वितीयपत्रम् | 2006.2   | तिथिकालनिर्णयः - II                                 | धर्मशास्त्रम् | 4          |
| तृतीयपत्रम्   | 2006.3   | व्रतविमर्शः - II                                    | धर्मशास्त्रम् | 4          |
| चतुर्थपत्रम्  | 2006.4   | दायविभागनिरूपणम्                                    | धर्मशास्त्रम् | 4          |
| पञ्चमपत्रम्   | 2006.5   | आचारविमर्शः   | धर्मशास्त्रम् | 4          |

*Shr*  
04/02/23

*cc/02/23*

कक्षा - आचार्यः  
विषयः - धर्मशास्त्रम्  
हिन्दूधार्मिकपरम्पराणां तात्त्विकं विवेचनम्-II

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : प्रथमम्

| विषयः<br>गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - क्यो (उत्तरार्धः)   | पूर्णाङ्काः                                      | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|-------------|
| 2006.1            | प्रथमम्                  |       | पाठ्यांशः  | १००  | ९० होराः | ०४          |
|                   |                          | १     | वर्णव्यवस्थाविचारः।  | २०   | २२       | १           |
|                   |                          | २     | वर्णसंकरजातिविचारः तात्त्विकविवेचनञ्च।   | २०   | २३       | १           |
|                   |                          | ३     | आशौचकर्मकाण्ड-उपासना तात्त्विकविवेचनञ्च।   | २०   | २२       | १           |
|                   |                          | ४     | प्रमुखव्रतपर्वणां तात्त्विकविवेचनञ्च।  | २०   | २३       | १           |
|                   |                          | ५     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम्<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च<br>४. उपस्थितिः<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५ | २०       | -           |

सहायकपुस्तकानि -

1. क्यो (उत्तरार्ध)
  2. संस्कारमयूखः
  3. षोडशसंस्कारविमर्शः
  4. संस्काररत्नमाला
  5. मनुस्मृति- मन्वर्थमुक्तावली टीका
  6. याज्ञवल्क्य स्मृतिः- मिताक्षरा टीका
  7. गौतमधर्मसूत्रम्
- माघवाचार्य कृतः  
- नीलकण्ठभट्टः  
- डॉ. शंकरकुमारमिश्रः  
- हरिनारायण आपटे  
- कुल्लूकभट्टः  
- डॉ. उमेशचन्द्रपाण्डेयः  
- डॉ. उमेशचन्द्रपाण्डेयः

*Sum*  
04/02/23

कक्षा - आचार्यः  
विषयः - धर्मशास्त्रम्  
तिथिकालनिर्णयः - II

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : द्वितीयम्

| विषयः<br>गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - निर्णयसिन्धुः (निर्णयसिन्धी प्रथमपरिच्छेदः<br>एकादशीनिर्णयम् इत्यारभ्य प्रथमपरिच्छेदान्तं यावत्)  | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|-------------|----------|-------------|
| 2006.2            | द्वितीयम्                |       | पाठ्यांशः  | १००         | ९० होराः | ०४          |
|                   |                          | १     | एकादशीनिर्णयम् इत्यारभ्य द्वादश्यां वर्ज्यपदार्थाः इति यावत्   | २०          | २२       | १           |
|                   |                          | २     | अशौचे द्वादशीव्रतम् इत्यारभ्य वैश्वदेवाकरणे प्रायश्चित्तम् इत्यावत्  | २०          | २३       | १           |
|                   |                          | ३     | पतितान्न भोजनेप्रायश्चित्तं इत्यारभ्य निरग्निकस्यावावास्यानिर्णयात्<br>ग्रहणसमामि पर्यन्तम्  | २०          | २२       | १           |
|                   |                          | ४     | मङ्गलकृत्येषु विशेषो वेधात् ग्रन्थसमामि पर्यन्तम्  | २०          | २३       | १           |
|                   |                          | ५     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४. उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | -        | -           |

सहायकपुस्तकानि -

1. निर्णयसिन्धुः - कमलाकरभट्टप्रणीत (रुपेशठाकुरप्रसाद प्रकाशन, वाराणसी)
2. निर्णयसिन्धुः - हिन्दी व्याख्या सहित (दौलतराम गौड़), चौखम्बा संस्कृत विद्याभवन, वाराणसी

Stm.  
04/02/23

कक्षा - आचार्यः  
विषयः - धर्मशास्त्रम्  
व्रतविमर्शः - II

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : तृतीयम्

| विषयः<br>गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - धर्मसिन्धुः<br>(धर्मसिन्धुः - द्वितीयपरिच्छेदः)   | पूर्णाङ्काः                                      | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|-------------|
| 2006.3            | तृतीयम्                  |       | पाठ्यांशः  | १००  | ९० होराः | ०४          |
|                   |                          | १     | धर्मसिन्धौ द्वितीयपरिच्छेदारम्भात् श्रावणमासकार्यान्तं यावत्   | २०   | २२       | १           |
|                   |                          | २     | धर्मसिन्धौ द्वितीयपरिच्छेदे भाद्रपदमासकार्यान्तं यावत्   | २०   | २३       | १           |
|                   |                          | ३     | धर्मसिन्धो द्वितीयपरिच्छेदात् आश्विनमासकार्यान्तं यावत्  | २०   | २२       | १           |
|                   |                          | ४     | धर्मसिन्धौ द्वितीयपरिच्छेदे कार्तिकमासकार्यान्तं यावत्   | २०   | २३       | १           |
|                   |                          | ५     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम्<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च<br>४. उपस्थितिः<br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५ | २०       | -           |

सहायकपुस्तकानि -

१. धर्मसिन्धुः - हिन्दी टीका सहित (खेमराज प्रकाशन, मुम्बई)
२. धर्मसिन्धुः - रविदत्त शास्त्री (चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी)
३. धर्मसिन्धुः - काशीनाथ उपाध्याय (धर्मदीपिका) चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी

*Jan*  
०५/०२/२३

कक्षा - आचार्यः  
विषयः - धर्मशास्त्रम्  
दायविभागनिरूपणम्

सत्राब्दम् : द्वितीयम्

पत्रम् : चतुर्थम्

| विषयः<br>गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - मनुस्मृतिः (मनुस्मृतः 9- 10 अध्यायौ)  | पूर्णाङ्काः | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|-------------|----------|-------------|
| 2006.4            | चतुर्थम्                 |       | पाठ्यांशः  | १००         | १० होराः | ०४          |
|                   |                          | १     | स्त्रीपुरुषयोः दैनिकं कर्तव्यम्बिन्धयं पतिः कर्तव्यपालनाभावात् पिता पतिः पुत्राश्च निन्दिताः, कुसंगादपि स्त्रियः रक्षणीयाः, कुलप्रतिष्ठा स्त्रियां वर्तते स्त्रियः आत्मनियंत्रणादेव दुष्कर्महीनाः भवन्ति, गृहकार्येषु च स्त्रियः व्यसना भवतुः, जायायाः लक्षणम्   | २०          | २२       | १           |
|                   |                          | २     | स्त्राद्वेषणो कारणम् - पानम्, दुर्जनसंसर्गः, पत्या विरहः, अटनम्, अन्यगेहेवासः, स्वप्नः द्वादश पुत्राः - और सक्षेत्रजौ, दत्तककृत्रिमौ, गूढोन्पन्नापिविद्धो, कानोनकहोढौ, प्रोतपौनर्भवौ, शौद्रस्वयंदत्तौ  | २०          | २३       | १           |
|                   |                          | ३     | विभाजनम् - दायस्य समानं विभाजनम्, सम्मिलितानां दायानुषु विभाजनविकल्प सम्मिलितानां पृथग्भूते उद्धारांस्य विभाजनम्, दत्तकपुत्रस्य दायविभाजनम्, क्षेत्रजपुत्रस्य दायविभाजनम्, अस्वर्णासु जानानां दायविभाजनम् स्नाधनम्- अध्यग्नि, अध्यावाहनिकम् प्रीतिदत्तम्, भ्रातृप्राप्तम्, मातृप्राप्तम्, पितृप्राप्तम्                                      | २०          | २२       | १           |
|                   |                          | ४     | चातुर्वर्ण्यधर्माः - ब्रह्मणानामाजीविका, काकमाणि, वर्णसंकरस्य स्वरूपम् वैश्यानां कर्तव्यम्, क्षत्रियाणां कर्माणि, आपत्काले वैश्यानां शूद्राणां च आजीविकाकमीणि, ब्राह्मणक्षत्रियौ वृद्धि न प्रयोजयताम धर्मपालनाभावात् शूद्रत्वप्राप्तिः   | २०          | २३       | १           |
|                   |                          | ५     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् अङ्काः ०५<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः ०५<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः ०५<br>४. उपस्थितिः अङ्काः ०५<br><br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | २०          | -        | -           |

सहायकपुस्तकानि -

1. मनुस्मृतिः - डॉ. गजानन शास्त्री (मुसलगांवकर) चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
2. मनुस्मृतिः - डॉ. गंगानाथ झा, चौखम्बा ओरियन्टल प्रकाशन
3. मनुस्मृतिः - श्रीजगन्नाथ शास्त्री, (तैलगा) मन्वर्थमुक्तावली टीका सहित, चौखम्बा ओरियन्टल प्रकाशन, नई दिल्ली

Shm  
04/02/23

कक्षा - आचार्यः

विषयः - धर्मशास्त्रम्

आचारविमर्शः

सत्रार्द्धम् : द्वितीयम्

पत्रम् : पञ्चम्

| विषयः<br>गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र-<br>क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - याज्ञवल्क्यस्मृतिः<br>( याज्ञवल्क्यस्मृतेः आचाराध्यायस्य उपोद्धानात् भश्याभश्य<br>प्रकरणं यावत्)  | पूर्णाङ्काः  | अवधिः    | श्रेयोऽङ्कः |
|-------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|-------------|
| 2006.5            | पञ्चम्                   |       | पाठ्यांशः  | १००  | ९० होराः | ०४          |
|                   |                          | १     | उपोद्धतप्रकरणम्  | २०   | २२       | १           |
|                   |                          | २     | ब्रह्मचारीप्रकरणम्   | २०   | २३       | १           |
|                   |                          | ३     | विवाह - वर्णजातिप्रकरणम्   गृहस्थ - स्नातकप्रकरणम्   | २०   | २२       | १           |
|                   |                          | ४     | भक्ष्याभक्ष्यप्रकरणम्  | २०   | २३       | १           |
|                   |                          | ५     | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्<br>१. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम्<br>२. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या<br>३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च<br>४. उपस्थितिः<br>७५% = ०१ अङ्कः<br>७६%-८०% = ०२ अङ्कौ<br>८१%-८५% = ०३ अङ्काः<br>८६%-९०% = ०४ अङ्काः<br>९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>अङ्काः ०५<br>२० | -        | -           |

सहायकपुस्तकानि -

1. याज्ञवल्क्य स्मृतिः- मिताक्षरा टीका - डॉ. उमेशचन्द्रपाण्डेयः
2. मनुस्मृति- मन्वर्थमुक्तावली टीका - कुल्लूकभट्टः
3. संस्कारमयूखः - नीलकण्ठभट्टः
4. षोडशसंस्कारविमर्शः - डॉ. शंकरकुमारमिश्रः
5. संस्काररत्नमाला - हरिनारायण आपटे
6. गौतमधर्मसूत्रम् - डॉ. उमेशचन्द्रपाण्डेयः

Sum  
04/02/23